कवि परिचय:

- प्रस्तुत कविता के कवि '**सोहनलाल द्विवेदी**' है।

- इनका जन्म 22 फरवरी 1906 को उत्तर प्रदेश में हुआ था।

- इनकी रचनाओं में राष्ट्रीयता की भावना पाई जाती हैं।

- **कविता** के इस भाग मे कवि कहते हैं कि **गुरु**, चेले को भी वहाँ से चलने को कहते है | गुरुजी वहाँ से चले जाते है और **चेला** वहीं अकेला रह जाता है |

- कवि कहते हैं कि उस मूर्ख राजा के अंधेरी नगरी में सबकुछ टके सेर ही **मिलता** था | और इसी बात का फायदा उठाकर **चेला** खूब रबड़ी मलाई खा लेता है ।